

सर्जिकल स्ट्राइक का असर!

जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं उनमें से चार राज्यों में बीजेपी जनता की पहली पसंद तो एक राज्य में कांग्रेस को भी मिल सकती है बढ़त

■ अजित कुमार झा

बदलाव के नाम पर आ रहा भारी जननादेश कहे या फिर जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर, लेकिन इंडिया टुडे समूह-एक्सिस माह इंडिया का चुनाव पूर्व सर्वेक्षण कहता है कि 2017 के आरंभ में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां अगर आज चुनाव करवा दिए जाएं तो बीजेपी का पलड़ा चार राज्यों—उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भारी नजर आएगा जबकि पंजाब कांग्रेस की झोली में आ जाएगा. यह सर्वेक्षण 37,811 मतदाताओं से हुई बातचीत पर आधारित है.

सर्जिकल भगवा उभार

भगवा उभार की एक वजह उड़ी हमले की प्रतिक्रिया में भारतीय फौज का पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में किया गया सर्जिकल हमला है. सर्वे में शामिल अधिसंख्य लोगों (यूपी में 90 फीसदी, पंजाब में 88 फीसदी और उत्तराखंड में 77 फीसदी) का कहना था कि एनडीए सरकार का आतंकी ठिकानों पर किया गया हमला शानदार कदम था. यूपी में करीब 91 फीसदी, उत्तराखंड में 90 फीसदी और पंजाब में 79 फीसदी लोगों ने कहा कि इस हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं. क्या सर्जिकल हमले बीजेपी को चुनाव में मदद करेंगे? इस सवाल के जवाब में हां कहने वाले उत्तर प्रदेश में 67 फीसदी और उत्तराखंड में 76 फीसदी लोग रहे. पंजाब में हालांकि 60

फीसदी लोग यह सोचते हैं कि हमलों ने भगवा पार्टी को कोई लाभ नहीं पहुंचाया है.

भगवा यूपी?

भगवा लहर सबसे ज्यादा आबादी वाले उत्तर प्रदेश में देखी जा रही है (20 करोड़ से ज्यादा आबादी), जिसे भारत की किस्मत तय करने वाला राज्य माना जाता है. हालांकि यहां राम मंदिर और गोरक्षा जैसे हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को बिल्कुल भी भाव नहीं दिया गया है. यहां 2012 के चुनावों में बीजेपी को बमुश्किल 15 फीसदी वोट मिले थे लेकिन इस बार उसे 31 फीसदी वोट मिलने की संभावना है जो पिछली बार के मुकाबले अप्रत्याशित रूप से 16 फीसदी ज्यादा होगा. इसका मतलब यह हुआ कि बीजेपी को यहां 170 से 183 के बीच सीटें हासिल हो सकती हैं, बावजूद इसके अगर वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर भी गई तो उसे सरकार बनाने के लिए 20 से 30 सीटों की जरूरत होगी (403 में से 202). ऐसा मुश्किल हो सकता है क्योंकि अन्य के खाते में सिर्फ 10 सीटें जाती दिख रही हैं. बीजेपी को सरकार बनाने के लिए बीएसपी, सपा या कांग्रेस में से अपने किसी एक प्रतिद्वंद्वी को तोड़ना होगा. अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की वजह से बीएसपी को भी लाभ होता दिख रहा है. सपा को 4 फीसदी वोटों का नुकसान हो रहा है (2012 के 29 फीसदी से इस बार



गेट्टी इमेजेज

भारत की सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में आप क्या सोचते हैं?



माहौल अच्छा है 25 सितंबर, 2016 को कोझिकोड में बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह

पंजाब कुल सीटें 117			गोवा कुल सीटें 40		
	सीटें	वोट %		सीटें	वोट %
कांग्रेस	49-55	33	बीजेपी+	17-21	38
आप	42-46	30	कांग्रेस	13-16	34
बीजेपी+एसएडी	17-21	22	आप	1-3	16
अन्य	3-7	15	अन्य	3-5	12

सभी आंकड़े अनुमान हैं

उत्तर प्रदेश

कुल सीटें 403

	सीटें	वोट %
बीजेपी	170-183	31
बीएसपी	115-124	28
सपा	94-103	25
कांग्रेस	8-12	6
अन्य	2-6	

उत्तराखंड

कुल सीटें 70

	सीटें	वोट %
बीजेपी	38-43	43
कांग्रेस	26-31	39
अन्य	1-4	18

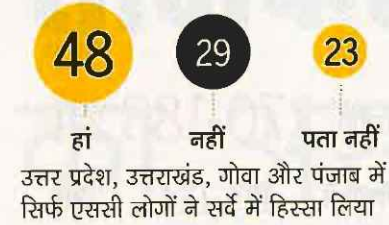
मणिपुर

कुल सीटें 60

	सीटें	वोट %
बीजेपी	31-35	40
कांग्रेस	19-24	37
एनपीएफ	3-5	23
अन्य	2-4	10

मतदाता के दिमाग में क्या चल रहा है

क्या दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में इजाफा हुआ है?



क्या आप कांग्रेस मुक्त भारत चाहते हैं?



पंजाब
अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए?



उत्तर प्रदेश
अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए?



विधानसभा चुनाव में अहम मुद्दा क्या है?



सभी आंकड़े प्रतिशत में

उत्तराखंड
अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए?*



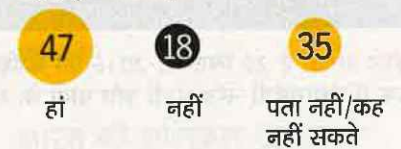
विधानसभा चुनाव में अहम मुद्दा क्या है?



गोवा
विधानसभा चुनाव में अहम मुद्दा क्या है?



मणिपुर
पूर्वोत्तर राज्यों की समस्याओं के समाधान के लिए मोदी सरकार वाकई गंभीर है?



25 फीसदी वोट) जिसकी वजह से उसकी सीटों की संख्या गिरकर 94 से 103 के बीच कहीं रह जाएगी. कांग्रेस को भी फायदा होता नहीं दिख रहा है. उसे 8 से 12 के बीच सीटें मिलेंगी जो जाहिर तौर पर बीएसपी के साथ मिलकर सरकार बनाने के काम नहीं आएंगी. भगवा उभार के बावजूद सर्वे कहता है कि विधानसभा की स्थिति त्रिशंकु रहेगी और राज्य में राजनैतिक अस्थिरता का आलम होगा.

पंजाब में कांग्रेस का उभार

पंजाब में ऐसा लगता है कि कांग्रेस को समाज के सभी तबकों का समर्थन मिलने जा रहा

है जिनमें उच्च जाति के हिंदू मतदाता (38 फीसदी) और दलित समुदाय (34 फीसदी हिंदू दलित और 35 फीसदी सिख दलित) शामिल होंगे. अकाली दल की लोकप्रियता में आई कमी को इस बात से समझा जा सकता है कि सर्वे में शामिल 45 फीसदी लोग चाहते हैं कि बीजेपी उसके साथ अपना गठजोड़ समाप्त कर ले. इस सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों के लिए नशे की समस्या प्रमुख रही है, और 76 फीसदी ने इसे अहम मुद्दे के तौर पर स्वीकार किया है.

इन विधानसभा चुनावों के नतीजों को अगर 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव के

सेमीफाइनल के तौर पर इशारा माना जाए तो इबारत दीवार पर साफ लिखी नजर आती है: यह नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली बीजेपी के हक में जा रहा है.

इस सर्वेक्षण को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच शोध एजेंसी ऐक्सिस माइ इंडिया ने उन पांच राज्यों में अंजाम दिया जहां 2017 में चुनाव होने वाले हैं—उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा. कुल 37,866 लोगों से इस सर्वेक्षण के लिए साक्षात्कार लिया गया.